एक नजर में
विशेष गहन पुनरीक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने पर 26 बीएलओ सम्मानित

झाबुआ. जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रुक्र) कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्ण करने वाले 26 बीएलओ को सम्मानित किया गया। इनमें 193-झाबुआ के 7, 194-थांदला के 6 तथा 195-पेटलावद के 13 बीएलओ शामिल हैं। कलेक्टर नेहा मीना ने सभी बीएलओ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी के परिश्रम, निष्ठा और टीमवर्क के कारण ही मतदान केंद्रों में 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हासिल किया है। आपका यह समर्पण विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों को अधिक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी बनाता है। आप इसी ऊर्जा और लगन के साथ आगे भी कार्य करते रहें तथा अपने अन्य साथी बीएलओ को भी लक्ष्य पूर्ति में सहयोग प्रदान करें। जिला प्रशासन को आप पर गर्व है। यह सम्मान कार्यक्रम जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में प्रेरणादायी है।

सम्मानित बीएलओ-सम्मानित बीएलओ में 195-पेटलावद विधानसभा के श्री प्रहलाद पाटीदार (मतदान केन्द्र 50-बोलासा), हिरालाल मुणिया (मतदान केन्द्र 118-झावलिया), बाबूलाल गरवाल (मतदान केन्द्र 121-पोरवा), रुमाल मैडा (मतदान केन्द्र 140-रायपुरिया), खुमानसिंह मैडा (मतदान केन्द्र 161-भूरीघाटी), गोर्धन पांचाल (मतदान केन्द्र 171-बेकल्दा), लुना मुनिया (मतदान केन्द्र 172-भेरुपाड़ा), वेलसिंह गुंडिया (मतदान केन्द्र 187-बोरघाटा), प्रदीप मैडा (मतदान केन्द्र 190-भूरीघाटी), श्री नरसिंह खपेड़ (मतदान केन्द्र 245-खेडली), श्रीमती रेणु कछावा (मतदान केन्द्र 283-खांडियाखाल), श्री जयशंकर गौतम (मतदान केन्द्र 288-महुडीपाड़ा गन्ना) तथा श्री थानसिंह सेकु गाडरिया (मतदान केन्द्र 313-दात्याघाटी) शामिल थे। वहीं 193-झाबुआ विधानसभा के श्री नब्बू सिंह चावडा (मतदान केन्द्र 50), श्री दीपेश कटारा (मतदान केन्द्र 70), श्री गणपत चौहान (मतदान केन्द्र 81), प्रताप सिंह नायक (मतदान केन्द्र 151), श्री सवसिंह चंगोंड़ (मतदान केन्द्र 272), सुश्री लाली वसुनिया (मतदान केन्द्र 303) तथा राजेन्द्र सिंह कनेश (मतदान केन्द्र 329) को भी सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही 194-थांदला विधानसभा के मुकेश मैडा (मतदान केन्द्र 12-झोसली), आरुसिंह खड़िया (मतदान केन्द्र 70-जुलवालिया बड़ा), वीरसिंह भाबर (मतदान केन्द्र 104-रुपारेल), रामसिंह सोलंकी (मतदान केन्द्र 113-मादल्दा), मनीष भट्ट (मतदान केन्द्र 126-सदेदा) तथा श्री धुलिया कटारा (मतदान केन्द्र 131-कुकड़ीपाड़ा) को भी 100 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति पर सम्मानित किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी. एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर आशीष कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार मण्डलोई, सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरक उदाहरण

झाबुआ, 26 नवम्बर 2025। विधानसभा क्षेत्र 195-पेटलावद के मतदान केन्द्र क्रमांक 140-रायपुरिया के बीएलओ श्री रुमाल मेड़ा ने अपनी दिव्यांगता को चुनौती देते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत 100% डिजिटाइजेशन पूर्ण कर एक प्रेरक मिसाल पेश की है। यह उपलब्धि न केवल उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा, मेहनत और जिम्मेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।श्री रुमाल मेड़ा ने 574 मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया और पूरी सावधानी, समर्पण एवं सत्यनिष्ठा के साथ सभी प्रविष्टियों का डिजिटाइजेशन कार्य समय पर एवं गुणवत्तापूर्वक पूरा किया। प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर मतदाताओं की जानकारी संकलित करना उनके अथक प्रयासों और कड़ी मेहनत का परिणाम है। विशेष गहन पुनरीक्षण के इस महत्त्वपूर्ण कार्य में उनके साथ सक्रिय सहयोग प्रदान करने वाले पटवारी, कोटवार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सेक्टर सुपरवाइजर को भी उन्होंने हार्दिक आभार व्यक्त किया है। विभिन्न विभागों के समन्वय और सामूहिक प्रयासों ने इस सफलता को और अधिक प्रभावी बनाया है।

जय भीम जागृति समिति द्वारा संविधान दिवस मनाया

झाबुआ। 26 नवंबर, बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर जय भीम जागृति समिति एवं महाराणा प्रताप पूंजा भील जन कल्याण संगठन द्वारा स्थानीय डीआरपी लाईन स्थित अंबेडकर पार्क में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान सभी ने संविधान के नियमों के पालन करने की शपथ भी ली। अपने उद्बोधन में जय भीम जागृति समिति के डॉ. एमएल फूलपगारे एवं सुनील डावर ने बाबा साहेब के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। सांविधान की प्रस्तावना का वाचन वरिष्ठ बेनेडिक्ट डामोर ने किया। इस अवसर पर दोनो संस्थाओं से जुड़े बापूसिंह कटारा, शंभूसिंह डोडियार, रंजीतसिंह डामोर, कैलाश वसूनिया, बच्चूसिंह डावर आदि उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज को देखने के लिए आ रहे थे और दुर्घटना का शिकार हो गए

झाबुआ। जिला चिकित्सालय के समीप प्रसूति चिकित्सालय के गेट के बाहर मोड़ पर 26 नवंबर, बुधवार दोपहर करीब 1 बजे तेज रफतार दो पहिया वाहनों के बीच टक्कर हो गई। जिसमें एक ग्रामीण युवक को चोट आने के साथ पति-पत्नि और बच्चें चिकित्सालय में भर्ती अपने पिता को देखने के लिए आ रहे थे, उसमें से पत्नि को चेहरे पर चोट आई। दोनो घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय में हुआ।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खजूरिया तहसील पेटलावद निवासी सावित्री भूरिया अपने पति पप्पू एवं 6 वर्षीय बालक पियूष भूरिया के साथ जिला चिकित्सालय के वार्ड में भर्ती पिता को देखने के लिए मोटरसाईकिल से जैसे ही चिकित्सालय जाने के लिए मुड़े, सामने से तेज रफतार से आ रहे दो पहिया वाहन चालक युवक शैलेष पिता नरवा डामोर उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम उमरी ने टक्कर मार दी।

विद्यार्थियों ने संभाली ट्रैफिक की कमान, झाबुआ में दिखा जिम्मेदार नागरिकता का उदाहरण

झाबुआ। शहर में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब शारदा विद्या मंदिर बिलिडोज के लगभग 30 विद्यार्थियों का दल अलग-अलग स्थानों पर जाकर ट्रैफिक की कमान संभालता दिखाई दिया। विद्यार्थी दलों ने शहर के राजवाड़ा चौक, छत्री चौक, विजय स्तंभ तिराहा, राजगढ़ नाका एवं श्री चारभुजा नाथ मंदिर चौराहा पहुंचकर दो-पहिया और चार-पहिया वाहन चालकों से विनम्रतापूर्वक यातायात नियमों के पालन का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बिना हेलमेट दो-पहिया वाहन चलाने वालों, बिना सीट बेल्ट चार-पहिया वाहन चालकों एवं मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों को रोककर पुष्प भेंट किए और निवेदन किया कि वे नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। लगभग 2 घंटे चले इस जन-जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों के हाथों में यातायात संबंधी तख्तियां थी और वे मुस्कुराकर हर नागरिक से कह रहे थे 'आपका जीवन अनमोल है, कृपया ट्रैफिक नियमों का पालन करे'। इस अभियान के पश्चात् राजवाड़ा चौक पर एक लघु समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक डॉ.शिवदयाल सिंह एवं डीएसपी कमलेश शर्मा उपस्थित रहे।

समाज और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में भी अग्रणी कार्यक्रम में संस्था के संचालक ओम शर्मा जी ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि शारदा समूह सदैव विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्य की भावना विकसित करने के लिए प्रयत्नशील रहा है। हमारे विद्यार्थी केवल शिक्षा में ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शारदा समूह द्वारा पूर्व में भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, ट्रैफिक जागरूकता, जल संरक्षण जैसे अनेक अभियानों का सफल आयोजन किया जा चुका है और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा।

> **विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित नहीं है**
>
> मुख्य अतिथि एसपी डॉ. शिवदयाल सिंह जी ने विद्यार्थियों की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह देखकर गर्व होता है कि आज के विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बन रहे है। ट्रैफिक नियमों के पालन में जब बच्चे आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो पूरा समाज प्रेरित होता है। ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व शनिवार को विद्यालय परिसर में 'नागरिक कर्तव्य प्रशिक्षण कार्यशाला' आयोजित की गई थी, जिसमें यातायात प्रभारी कमल मिंदल जी एवं सहायक लोकेंद्र खेड़ेने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों, संकेतों एवं ट्रैफिक संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया था।

मप्र महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी से महिलाओं को उम्मीदें

झाबुआ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अनुसंशा एवं सहमति से अभा महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने रीना बौरासी को मप्र महिला कांग्रेस की कमान सौंपी है। उल्लेखनीय है कि रानी बौरासी कांग्रेस पार्टी में वर्षों से सक्रिय होकर राजनीति में उनका अनुभव काफी उम्दा है। जिसके चलते उन्हें मप्र महिला कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

जानाकारी देते हुए महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्वेता गंगा मोहनिया ने बताया कि रीना बौरासी सेतिया से प्रदेश की महिलाओं को काफी उम्मीद् बंधी हुई है। उनका नेतृत्व एवं मार्गदर्शन महिला कांग्रेस की पूरी टीम को प्राप्त होगा। नव-मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के सफल नेतृत्व में महिला कांग्रेस को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। साथ ही उनके मार्गदर्शन में महिला कांग्रेस द्वारा प्रदेश में महिलाओं की समस्याओं और मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर मप्र और केंद्र सरकार को घेरने का कार्य किया जाएगा। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के रूप में रीना बौरासी का मनोनयन कर उनसे अभा महिला कांग्रेस ने अपेक्षा व्यक्त की गई कि वे मप्र में महिलाओं की समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाकर कांग्रेस पार्टी की रिती-नीति से अवगत करवाकर समस्याओं के निराकरण की पहल करेंगी। उक्त मनोनयन पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्वेता मोहनिया, सुनीता अलावा, क्लेमेंसी, जोताबाई, गौरी कटारा, सुमन, रेखा हटीला, रजनी चौहान आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए हर्ष व्यक्त किया है। साथ ही राष्ट्रीय नेतृत्व का इस हेतु आभार माना है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया

विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई

झाबुआ। शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई रेड रिबन क्लब एवं भारतीय स्त्री शक्ति और भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने मां सरस्वतीजी की पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्जवलित किया।क ार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्राचार्य डॉ अंजना सोलंकी ने की। मुख्य अतिथि एवं वक्ता मनीषा मुवेल अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी एवं राजेंद्र अलावा सहायक जिला अभियोजन अधिकारी थे। विशिष्ट अतिथि किरण शर्मा राष्ट्रीव सचिव भारतीय स्त्री शक्ति थी। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी डॉ. प्रीति त्रिपाठी राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी ने दी। अर्चना सिसोदिया ने भारतीय स्त्री शक्ति संगठन के बारे में बताया। मनीषा मुवेल ने छात्राओं को पुरानी कुप्रथाओं को छोड़कर पढ़ाई करके अपने पैरो में खड़े होने के लिए प्रेरित किया और दापा प्रथा की जानकारी दी। राजेंद्र अलावा ने मौलिक अधिकार के बारे में विस्तृत में बताया। प्राचार्य डॉ अंजना मुवेल ने छात्राओं को उनकी छुपी हुई प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी साथ ही अच्छे विचारों को आत्मसात करने के लिए कहा। संविधान प्रस्तावना का वाचन डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने किया।

> **विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित**
>
> सुश्री कीर्ति देवल ने छात्राओं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में बताया और एक गीत के माध्यम से प्रोत्साहित किया। प्राचार्य द्वारा संविधान की शपथ दिलाई गई।साथ ही निबंध, प्रश्न-मंच और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने किया एवं आभार अंजू शर्मा ने मना। कार्यक्रम में डॉ. सारिका डुडवे, डॉ. विद्या चौहान, प्रो. विजयकुमार, डॉ. ऋद्धि माहेश्वरी, डॉ. जुवानसिंह चौहान, अर्चना सिसोदिया, अंजू शर्मा, वंदना जोशी, सरिता भगोरा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

संविधान दिवस पर कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

झाबुआ. कलेक्टर कार्यालय परिसर झाबुआ में आज संविधान दिवस पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ कलेक्टर नेहा मीना द्वारा संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ हुआ। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में प्रस्तावना का वाचन कर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

कलेक्टर नेहा मीना ने संविधान दिवस के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत का संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा है। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से संविधान में निहित मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का पालन करने तथा शासन-प्रशासन के प्रत्येक कार्य में इन सिद्धांतों को प्राथमिकता देने की अपील की।

उन्होंने आगे कहा कि संविधान की प्रतिष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है और यह तभी संभव है जब हम अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करें।

कार्यक्रम में कलेक्टर कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने राष्ट्रनिर्माण में संविधान के मार्गदर्शन का अनुसरण करने का संकल्प लिया।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर विजय कुमार मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टोरेट के सुविधा घर का गंदा पानी बह रहा सड़क पर

झाबुआ। कलेक्टोरेट के जिला पंचायत के सामने बने सुविधा घर के सेप्टिक टेंक का पानी पिछले 2-3 दिनों से सड़क पर बहने से बदबू के कारण कलेक्टोरेट, जिला पंचायत के साथ लोक सेवा गारंटी आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सेप्टिक टेंक का गंदा पानी बदबू मारने के साथ किचड़ हो गई है। यह पानी रिसता हुआ लोक सेवा गारंटी कार्यालय जाने से लोगों को आवागमन में दिक्कते हो रहीं है,

एक नजर कोर्ट के आदेश को ताक पर रखा पेटलावद नगर परिषद ने

तीन वर्षो से न्याय और नामान्तरण के लिए दर-दर भटक रही सीनियर सिटीजन विधवा महिला

पेटलावद। पेटलावद नगर परिषद क्षेत्र में एक विधवा महिला पिछले तीन वर्षों से न्याय और नामांतरण की साधारण प्रक्रिया के लिए दर-दर भटक रही है।

दरअसल नगर के भगतसिंह मार्ग की रहने वाली सीनियर सिटीजन ओर विधवा महिला मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुचीं ओर रो रो कर अपनी व्यथा आवेदन के माध्यम से देते हुए बताया कि उनकी पति धनराज चौधरी के निधन उपरांत उनके द्वारा वार्ड 06 में स्थित भवन 110/3 पर 29 अगस्त 2020 में विधिवत नामांतरण का आवेदन देते हुए राशिद कटवायी ।

नियमानुसार परिषद को 03 माह के अंदर नामांतरण आवेदन का निराकरण करना होता है, लेकिन करप्शन कि गंगा में गोते लगा रहे युवा जनप्रतिनिधियों ने 02 साल तक नामान्तरण आवेदन का निराकरण नहीं करते हुये 01/09/22 को पीड़िता को कोर्ट जाने का पत्र थमा दिया। पीड़िता के द्वारा उसके पक्ष में सिविल कोर्ट पेटलावद के दिनांक 25/04/23 के निर्णय की प्रतिलिपि के साथ 05/08/25 को स्टाम्प पर शपथ पत्र देकर कोर्ट के आदेश के पालन में नामान्तरण कि गुहार परिषद में लगाई। और तब से अभी तक परिषद के जिम्मेदार नामान्तरण नही कर पाए ।

अध्यक्ष,पति और पार्षदो के नामजद दिया आवेदन : पीड़िता मुनिबाई के द्वारा परिषद के अध्यक्ष पति योगेश गामड़ सहित परिषद की अध्यक्ष ललिता पति योगेश गामड़,चांदनी पति दीपक निमजा,मुकेश पिता गंगाराम परमार,कांताबाई पति श्यामु मैड़ा,दिनेश उर्फ पप्पू पडियार,गोतम पिता धन्नालाल गेहलोत,अनुपम पिता सुरेश भंडारी ,ममता पिता विट्ठल धानक,विनोद पिता शांतिलाल चाणोदिया,किरण पति संजय कहार,रेखा पति प्रदीप पटवा ,जमना पति भुरा मुणिया,हंसा पति शिवा राठौड़,चंदाबाई पति राजू मेड़ा,इन्द्रा पति मुकेश पडियार के विरिद्ध नामजद आवेदन कलेक्टर को सोपते हुए बताया कि इनमें से किसी भी पार्षद ने मेरी पीड़ा सुनने की जरूरत नहीं समझी। सब अध्यक्ष पति की लाइन पर चलते हैं, किसी ने भी इंसाफ दिलाने की कोशिश नहीं की। वही अध्यक्ष पति योगेश गामड़ के दबाव के चलते नामान्तरण नही होने दिया जा रहा ।

इस पूरे मामले में बडा सवाल निकल कर आ रहा है कि परिषद के जिम्मेदार युवाओं जनप्रतिनिधियों कि टिंम कोर्ट द्वारा वर्ष 2023 को दिए गए आदेश से भी ऊपर है? क्यो कोर्ट के निर्णय का भी पालन नहीं कर रही परिषद ? क्या नगर परिषद अधिनियम के तहत सारे नियम कायदों को ताक पर रख दिया है?या परिषद को चलाने वाले बिना लेनदेन के किसी भी काम को करना नही चाहते ।

उल्लेखनीय है कि इस पुरे मामले में वर्ष 2020 से 2022 तक के दो वर्षों ओर कोर्ट के निर्णय के बाद 2023 से अब 2025 तक नप नामान्तरण करने से क्यो परहेज कर रही है , जबकि नियमानुसार सारी प्रक्रिया पूर्ण है और पीड़िता के पक्ष में कोर्ट के आदेश ओर सारे कागजात है ।इन वर्षो में ऐसा कोई ठोस कागज परिषद के पास नही है जो पीड़िता के नामान्तरण को रोकने की वजह हो।

> लगातार विवादों से घिरी परिषद नगर विकास के कार्यो में नाकारा साबित पहले ही हो चुकी है, अब सारे पार्षद ओर अध्यक्ष सहित अध्यक्ष पति के कारनामों कि नामजद शिकायत करने वाली महिला की मजबूरियों पर कोई कार्रवाई जिला कलेक्टर प्रशाशन, व अधिकारी करते है या नही यह तो आने वाले समय मे पता चलेगा।
>
> **इनका है कहना**-मेरे पति के मकान पर नामान्तरण के लिये 2020 से चक्कर लगवा रही परिषद मेने सारे कागज कोर्ट का आदेश भी दे दिया। कलेक्टर मेडम से ही उम्मीद है ।
>
> **पीड़िता मुन्नीबाई चौधरी**
> अध्यक्ष पति योगेश गामड़ सभी पार्षदो को देने के लिये पैसे की मांग कर रहे ,है पैसे नही दोगे तो नामान्तरण नही करूंगा
>
> **अतुल चौधरी**
> **पीड़िता का पुत्र**